सुविचार

सक्रिय न होना मस्तिष्क की जड़ता और थकान का कारण है। सीखने की प्रक्रिया में मस्तिष्क कभी नहीं थकता।

-लियोनार्डो दा विंची

कुल पृष्ठ 18+4 =22 • मूल्य ₹2.50

दैनिक भास्कर

भारत का सबसे बड़ा समाचार पत्र समूह

बिहार

dainikbhaskar.com

पटना

बुधवार, 10 सितंबर, 2014
आश्विन कृष्ण पक्ष-2, 2071

16 क

खेती को बढ़ावा देने के लिए फसल दिवस मनाएं

कृषि के विकास में मीडिया की भूमिका पर संगोष्ठी

भास्कर न्यूज | पटना

खेती को बढ़ावा देने के लिए धान व गेहूं दिवस मनाने की सलाह दी जा रही है। बिहार वाटर डेवलपमेंट सोसाइटी सेवा केंद्र की ओर से आयोजित कृषि विकास में मीडिया की भूमिका संगोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि खेती को हर स्तर पर बढ़ावा दिया जाना चाहिए। खेती में अधिक लोगों को रोजगार की संभावना है।

किसान आयोग के पूर्व अध्यक्ष रामाधार सिंह ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर कम हैं। यहां खेती के माध्यम से ही अधिक लोगों को रोजगार मिल सकता है। धान, गेहूं सहित विभिन्न फसलों का भी दिवस मनाया जाना चाहिए, ताकि इन्हें बढ़ावा दिया जा सके। विश्व खाद्य दिवस पर 16 अक्टूबर को पंचायत व प्रखंड स्तर पर कार्यक्रम हो। इसमें मीडिया के माध्यम से लोगों तक कृषि संबंधी जानकारी पहुंचे।

अजय कुमार ने कहा कि मीडिया के माध्यम से खेती की नई तकनीक और अन्य जानकारी किसानों और ग्रामीणों तक पहुंच सकती है। उचित मार्केटिंग और गोदाम नहीं होने से किसानों को दिक्कत होती है। मौके पर फादर अमलराज एस, डॉ. आरपी सिन्हा, आईसीएआर के वैज्ञानिक डॉ. नारायण भक्त और किसान निरंजन कुमार भी मौजूद थे।